भाग 2:
यीशु की वापसी

बाइबल के विषय को तीन अभिव्यक्तियों, ''यीशु आ रहा है,'' ''वह आया'' और ''वह फिर आ रहा है'' में संक्षिप्त किया जा सकता है। उसकी वापसी नये नियम की महान, रोमांचकारी और भयभीत करने वाली शिक्षा है। मसीही शिक्षा का शायद ही कोई और विषय हो जिसने इतनी दिलचस्पी पैदा की हो और जिसके बारे में लोग इतने अनुमान लगाते हों।

उसकी वापसी के ''कैसे?''; ''कब?''; ''कहां?''; और ''क्यों?'' के कई उत्तर दिए जाते हैं। इन प्रश्नों का उत्तर देने के लिए हमारे पास काफ़ी जानकारी है, पर हमारी जिज्ञासा को संतुष्ट करने या इन प्रश्नों से जुड़ी सभी सम्भावनाओं को समझाने के लिए यह जानकारी काफ़ी नहीं है।

यह विषय दिलचस्प और विचार करने के योग्य तो है, पर हमारे उद्धार के लिए यीशु के द्वितीय आगमन से जुड़ी हर बात को समझना आवश्यक नहीं है। इससे भी महत्वपूर्ण यह ज्ञान है कि हम उसकी वापसी के लिए क्या तैयारी करें। यदि हमें सब पता हो कि उसके आने से पहले और उसके बाद क्या-क्या होने वाला है, पर उसके आने के समय उसे ग्रहण होने के योग्य जीवन न बिताएं, तो हमारा सारा ज्ञान बेकार जाएगा।

शायद यीशु ने हमें कुछ बातें बताईं हैं कि उसके आने के समय क्या होगा, जिससे हमें उसके आने पर तैयार रहने की प्रेरणा मिले। यीशु ने कहा, ''इसलिए जागते रहो, क्योंकि तुम नहीं जानते कि तुम्हारा प्रभु किस दिन आएगा'' (मत्ती 24:42)।

इस भाग में हम इस बात का अध्ययन करेंगे कि यीशु की वापसी पर क्या-क्या होगा और यह पता लगाने की कोशिश करेंगे कि वह पृथ्वी पर राज करेगा या नहीं, देखेंगे कि पुनरुत्थान में क्या-क्या होगा, विचार करेंगे कि न्याय का दिन कैसा होगा।